



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 47]
No. 47]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 30, 1985/माघ 10, 1906
NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 30, 1985/MAGHA 10, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह तल्लग सकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 1985

(ख) “धारा” से अधिनियम की कोई धारा अभिप्रेत है ;

(ग) ऐसे सभी अन्य शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में हैं ।

का. आ. 63 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, ट्रांसफार्मर एण्ड स्विच गियर लिमिटेड (उपक्रमों का अर्जन और अन्तरण) अधिनियम- 1983 (1983 का 41) की धारा 30 की उप-धारा (2) के खण्ड (क) के साथ पठित उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1), इन नियमों का संक्षिप्त नाम ट्रांसफार्मर एण्ड स्विच गियर लिमिटेड (उपक्रमों का अर्जन और अन्तरण) (किसी सम्पत्ति के बन्धक, भार, धारणाधिकार या अन्य हित से सम्बन्धित संसूचना) नियम, 1985 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. परिभाषाएं :—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :—

(क) “अधिनियम” से ट्रांसफार्मर एण्ड स्विच गियर लिमिटेड (उपक्रमों का अर्जन और अन्तरण) अधिनियम- 1983 (1983 का 41) अभिप्रेत है ;

3. संसूचना के लिए समय की परिसीमा :—किसी ऐसी सम्पत्ति का जो अधिनियम के अधीन, यथास्थिति, केन्द्रीय सरकार में या एन्ड्यूयूल एण्ड कम्पनी में निहित हो गई है, प्रत्येक बन्धकदार और किसी ऐसी सम्पत्ति में या उसके सम्बन्ध में कोई भार, धारणाधिकार या अन्य हित धारण करने वाला प्रत्येक व्यक्ति आयुक्त को ऐसे बन्धक- भार, धारणाधिकार या अन्य हित की संसूचना ऐसी तारीख से जो केन्द्रीय सरकार द्वारा धारा 17 के अधीन विनिर्दिष्ट की जाए, तीस दिन की अवधि के भीतर देगा ;

परन्तु यदि आयुक्त का यह समाधान हो जाता है कि बन्धक-दार या कोई भार, धारणाधिकार या अन्य हित धारण करने वाला व्यक्ति तीस दिन की उक्त अवधि के भीतर संसूचना देने से पर्याप्त हेतुक के कारण निवारित हो गया था तो वह ऐसे कारणों को लेखबद्ध करने के पश्चात् तीस दिन की अतिरिक्त अवधि के भीतर संसूचना प्राप्त कर सकेगा, किन्तु उसके पश्चात् नहीं ।

4. संसूचना की रीति :—(1) निगम 3 के अधीन आयुक्त को दी जाने वाली प्रत्येक संसूचना लिखित में होगी और आयुक्त

को सम्बोधित होगी और उसमें निम्नलिखित विशिष्टियां होंगी, अर्थात् :—

- (क) बन्धकदार का या किसी ऐसी सम्पत्ति में या उसके सम्बन्ध में भार, धारणाधिकार या अन्य हित धारण करने वाले व्यक्ति का नाम, विवरण और पूरा पता ;
- (ख) ऐसे उपक्रम का नाम जिसके सम्बन्ध में दावा किया गया है ;
- (ग) दावे की रकम (भारतीय करेंसी में) ;
- (घ) यदि कोई लिखत हो तो उसकी विशिष्टियां, जिसके द्वारा बन्धक, भार, धारणाधिकार या अन्य हित प्रतिभूत किया गया है, जो लिखत की अनुप्राणित प्रति द्वारा समर्थित होगी ;
- (ङ) पहले ही से प्राप्त रकम, यदि कोई हो, और उसकी विशिष्टियां ;
- (च) दावे से, सुसंगत कोई अन्य विशिष्टियां ;
- (छ) अनुतोष जिसका दावा किया गया है ;
- (2) प्रत्येक संसूचना बन्धकदार द्वारा या भार धारणाधिकार या अन्य हित धारण करने वाले व्यक्ति या उसके द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा सम्यक् रूप से हस्ताक्षरित और सत्यापित की जाएगी ।
- (3) संसूचनाएं, सभी कार्य दिवसों पर कार्यालय समय के दौरान 19 ग्रेम्स रोड, मद्रास स्थित आयुक्त के कार्यालय में फाइल की जा सकेंगी या रसीदी रजिस्ट्री डाक द्वारा आयुक्त को भेजी जा सकेंगी ।

[फा. सं. 10/24/84-एल. आर.]

ए. पी. सरवान, संग्रहक अधिकारी

MINISTRY OF INDUSTRY & C.A.

(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th January, 1985

S.O. 63(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (a) of sub-section (2) of Section 30 of the Transformer and Switchgear Limited (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1983 (41 of 1983), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Transformer and Switchgear Limited (Acquisition and Transfer of Undertakings) (Intimation regarding Mortgage Charge, Lien or other Interest in any property) Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires—

- (a) “Act” means the Transformer and Switchgear Limited (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1983 (41 of 1983);
- (b) ‘section’ means a section of the Act;
- (c) all other words and expressions used in these rules and not defined but defined in the Act, shall have the meaning respectively assigned to them in that Act.

3. Time-limit for intimation.—Every mortgage of any property which has vested under the Act in the Transformer and Switchgear Limited or in Andrew Yule & Co., as the case may be, and every person holding any charge, lien or other interest in, or in relation to, any such property shall give intimation of such mortgage, charge, lien or other interest to the Commissioner within a period of thirty days from such date, as may be specified by the Central Government under section 17.

Provided that if the Commissioner is satisfied that the mortgagee or the person holding any charge, lien or other interest was prevented by sufficient cause from giving the intimation within the said period of thirty days, he may, after recording reasons in writing receive the intimation within a further period of thirty days and not thereafter.

4. Manner of intimation.—(1) Every intimation to be given to the Commissioner under rule 3 shall be in writing addressed to the Commissioner and shall contain the following particulars, namely :—

- (a) name, description and full addresses of the mortgagee, or the person holding charge, lien or other interest in, or in relation to any such property;
- (b) name of the undertaking in respect of which the claim is made;
- (c) amount of claim (in Indian currency);
- (d) particulars of the instrument, if any, by which the mortgage, charge, lien or other interest is secured; supported by an attested copy of such instruments;
- (e) amount if any already received, with particulars;
- (f) any other particulars relevant to the claim;
- (g) relief claimed.

(2) Every intimation shall be duly signed and verified by the mortgagee, or the person holding the charge, lien or other interest or by a person duly authorised by him.

(3) Intimation may be filed in the Office of the Commissioner at 19, Greames Road, Madras, on all working days during office hours or may be sent to the Commissioner by registered post with acknowledgement due.

[File No. 10/24/84-LR]

A. P. SARWAN, Jr. Secy.